**Full text of the speech of Hon'ble Narendra Modi, Prime Minister of India, Qudos Bank Arena, Sydney, 23 May 2023**

नमस्ते ऑस्ट्रेलिया !

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री और मेरे प्रिय मित्र, His Excellency, एंथोनी अल्बनीज, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री, His Excellency स्कॉट मॉरिसन, न्यू साउथ वेल्स के प्रीमियर क्रिस मिन्स, Foreign Minister पेनी वोंग, Communication Minister मिशेल रोलैंड, Energy Minister क्रिस बोवेन, Leader of Opposition पीटर डटन, Assistant Foreign Minister टिम वाट्स, न्‍यू साउथ वेल्स के उपस्थित मंत्रिमंडल के सभी आदरणीय सदस्‍य, पैरामाटा से सांसद सदस्य डॉ एंड्रयू चार्लटन, यहां उपस्थित ऑस्ट्रेलिया के सभी सांसद सदस्य, मेयर, डिप्टी मेयर, काउंसिल्लर्स और ऑस्ट्रेलिया में रह रहे प्रवासी भारतीय जो आज इतनी विशाल संख्या में उपस्थित हुए हैं, आप सबको मेरा नमस्कार!

First of all, I acknowledge the traditional custodians of the lands that we are meeting here on today. I pay my respect to the elders, past, present and emerging. I also celebrate all first nations people who may be with us today.

Friends,

मैं जब 2014 में आया था तो आपसे एक वादा किया था, वादा ये था कि आपको फिर भारत के किसी प्रधानमंत्री का 28 साल तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। तो लीजिए, यहां सिडनी में इस arena में, मैं फिर हाजिर हूँ और मैं अकेला नहीं आया हूँ। प्रधानमंत्री अल्बनीज भी मेरे साथ आए हैं। Mr. Prime Minister अपने बहुत व्‍यस्‍त कार्यक्रम में से हम सभी के लिए, आपने समय निकाला है, ये हम भारतीयों के प्रति आपके स्‍नेह को दर्शाता है। आपने जो अभी कहा वो दिखाता है कि ऑस्‍ट्रेलिया के मन में भारत के प्रति कितना प्रेम है। इसी वर्ष मुझे प्रधानमंत्री जी का भारत की धरती पर अहमदाबाद में स्वागत करने का अवसर मिला था। आज उन्होंने यहां Little India के Foundation Stone को unveil करने में मेरा साथ दिया है। मैं उनका बहुत बहुत आभार व्यक्त करता हँ, Thank you my friend Anthony!

ये Little India ऑस्‍ट्रेलिया के विकास में भारतीय समुदाय के योगदान का भी एक recognition है। मैं न्यू साउथ वेल्स के Premier, पैरामाटा शहर के मेयर, डिप्टी मेयर और काउंसिल्लर्स को इस विशेष सम्मान के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ।

साथियों,

मुझे खुशी है कि न्यू साउथ वेल्स में प्रवासी भारतीय समुदाय से कई लोग सार्वजनिक जीवन में सक्रिय भागीदारी कर रहे हैं। अपनी पहचान बना रहे हैं। वर्तमान न्यू साउथ वेल्स की सरकार ने डिप्‍टी प्रीमियर प्रू कार, Treasurer डेनियल मुखी बड़ा contribution कर रहे हैं और कल ही, कल ही, भाई समीर पांडे पैरामाटा के Lord Mayor चुने गए हैं। मैं सबका अभिनंदन करता हूं, बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

साथियों,

आज जब पैरामाटा में ये सब हो रहा है तभी ये जानकारी भी आई है कि पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर में भारतीय सैनिक नैन सिंह सैलानी के नाम पर सैलानी एवेन्यू बनाया गया है। उन्होंने पहले विश्व युद्ध में ऑस्ट्रेलिया की फौज के लिए लड़ते हुए वीरगति प्राप्त की थी। इस सम्मान के लिए मैं पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के नेतृत्व का आदरपूर्वक अभिनंदन करता हूँ।

साथियों,

एक समय था जब कहा जाता था कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के संबंधों को 3 C डिफाइन करते हैं, ऐसा पहले कहां जाता था। ये कौन से 3 C हैं Commonwealth, Cricket और Curry, इसके बाद कहा गया कि भारत ऑस्ट्रेलिया के संबंध 3 D पर आधारित हैं Democracy, Diaspora और Dosti, कुछ लोगों ने ये भी कहा कि भारत ऑस्ट्रेलिया के संबंध में 3 E पर आधारित हैं Energy, Economy और Education, यानि कभी कभी C, कभी D, कभी E, अलग अलग कालखंड में ये बात संभवत: सही भी रही है। लेकिन भारत और ऑस्ट्रेलिया के ऐतिहासिक संबंधों का विस्तार इससे कही ज्यादा बड़ा है, और जानते हैं इन सारे संबंधों का सबसे बड़ा आधार क्या है, जानते हैं? जी नहीं, सबसे बड़ा आधार है Mutual Trust और Mutual Respect, ये Mutual Trust और Mutual Respect सिर्फ भारत ऑस्ट्रेलिया के Diplomatic रिश्‍तों से विकसित नहीं हुआ है। इसकी असली वजह है, इसकी असली ताकत है आप ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले हर एक भारतीय, आप उसकी असली ताकत हैं। इसकी असली वजह है ऑस्ट्रेलिया के ढाई करोड़ से ज्यादा citizens।

साथियों,

हमारे बीच भौगोलिक दूरी जरूर है लेकिन हिंद महासागर हमें आपस में जोड़ता है। हमारी जीवन शैलियां भले ही अलग अलग है लेकिन अब योगा ये भी हमें जोड़ता है। क्रिकेट से तो हम न जाने कब से जुड़े हुए हैं लेकिन अब टेनिस और फिल्में भी हमें जोड़ रही हैं। हमारे यहां खाना बनाने का तरीका भले ही अलग अलग है, लेकिन अब मास्टर शेफ हमें जोड़ता है। हमारे यहां पर्व और त्यौहार भले ही अलग अलग मनाएं जाते हैं लेकिन हम जुड़े हुए हैं दिवाली की रौनक से, बैसाखी के जश्न से। हमारे यहां भाषाएं भले ही अलग अलग बोली जाती हों लेकिन हम जुड़े हुए हैं मलयालम, तमिल, तेलुगु, पंजाबी, हिंदी भाषाएं पढ़ाने वाले इतने सारे स्कूलों से।

साथियों,

ऑस्ट्रेलिया के लोग, यहां के निवासी इतने विशाल हृदय के हैं, दिल के इतने अच्छे और सच्चे हैं कि भारत की इस विविधता को खुले दिल से स्वीकारते हैं और यही वजह है कि पैरामाटा स्‍क्‍वायर किसी के लिए परमात्मा चौक बन जाता है। Wigram Street भी विक्रम स्ट्रीट के रूप में मशहूर हो जाती है और Harris Park कई लोगों के लिए हरीश पार्क हो जाता है। वैसे मैंने सुना है कि हैरिस पार्क में Chatkazz की Chaat, Jaipur Sweets की जलेबी, उसका तो कोई जवाब ही नहीं है। मेरी आप सबसे request है, आप लोग कभी मेरे मित्र पी.एम. अल्बनीज को भी वहां जरूर ले जाइएगा। और साथियों, जब खाने की बात चली है और चाट की बात चली है तो लखनऊ का नाम आना भी स्वाभाविक ही है, मैंने सुना है कि सिडनी के पास लखनऊ नाम की जगह भी है। लेकिन मुझे पता नहीं वहां भी चाट मिलती है क्या। अच्छा यहां भी तो शायद दिल्‍ली के पास वाले लखनऊ के लोग होंगे ही होंगे, हैं क्या? वाह! वाकई दिल्ली स्ट्रीट, बॉम्बे स्ट्रीट, कश्मीर एवेन्‍यू, मालाबार एवेन्‍यू जैसी कितनी ही सड़कें, यहां ऑस्‍ट्रेलिया में आपको भारत से जोड़े रखती हैं। मुझे बताया गया कि अब तो ग्रेटर सिडनी में इंडिया परेड भी शुरू होने जा रही है। मुझे ये जानकर भी बहुत अच्छा लगा कि यहां आप सबने आजादी का अमृत महोत्सव भी बहुत धूमधाम से मनाया है। यहां की कई सारी सिटी काउंसिल्‍स में बहुत सारे कार्यक्रम किये गए हैं। सिडनी ऑपेरा हाउस, जब तिरंगे की रोशनी से सराबोर हुआ तो यहां भारतीय का दिल खुश हो गया। हिन्‍दुस्‍तान में भी जय जयकार हो रहा था और इसके लिए मैं न्‍यू साउथ वेल्‍स गवर्नमेंट का विशेष तौर पर आभार व्‍यक्‍त करता हूँ।

साथियों,

हमारे क्रिकेट के रिश्‍तों को भी 75 वर्ष पूरे हो गए हैं। क्रिकेट की फिल्‍ड पर मुकाबला जितना रोचक होता है, उतनी ही गहरी ऑफ द फिल्‍ड हमारी दोस्‍ती है। इस बार तो ऑस्‍ट्रेलिया की अनेक women क्रिकेट प्‍लेयर भी पहली बार भारत में IPL खेलने आई थीं और साथियों ऐसा नहीं है कि हम सिर्फ सुख के ही साथी हैं। अच्‍छा दोस्‍त तो सुख का तो साथी होता है, दुख का भी साथी होता है। पिछले साल जब महान Shane Warne का निधन हुआ तो ऑस्‍ट्रेलिया के साथ कोटि कोटि भारतीयों ने भी शोक मनाया। ये ऐसा था जैसे हमने अपना कोई खो दिया है।

साथियों,

आप सभी यहां ऑस्ट्रेलिया में हैं। यहां के विकास को देख रहे हैं। आप सभी का एक सपना रहा है कि हमारा भारत भी विकसित राष्ट्र बनें। है न आपका सपना? है न आपका सपना? है न आपका सपना? जो सपना आपके दिल मैं है, वो सपना मेरे दिल में भी है। ये मेरा भी सपना है। 140 करोड़ भारतीयों का सपना है।

साथियों,

भारत के पास सामर्थ्‍य की कमी नहीं है। भारत के पास संसाधनों की कमी भी नहीं है। आज दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे युवा टैलेंट फैक्ट्री जिस देश में है, वो है इंडिया। सही जवाब दे रहे हैं, वो है इंडिया। मैं ये बात फिर दोहरा रहा हूँ। आज दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे युवा टैलेंट फैक्ट्री जिस देश में है, वो है इंडिया, वो है इंडिया, वो है इंडिया। और अब मैं आपके सामने ऐसे ही कुछ फैक्टस रखूंगा। और आपसे सही उत्तर जानना चाहूंगा, ready, कोरोना की इस ग्लोबल पेंडेमिक में जिस देश ने दुनिया का सबसे तेज वैक्सीनेशन प्रोग्राम चलाया, वो देश है इंडिया, वो देश है इंडिया, वो देश है इंडिया। आज जो देश दुनिया की फास्टेस्ट लार्ज ग्रोइंग इकोनॉमी है वो देश है इंडिया, वो देश है इंडिया, वो देश है इंडिया। आज जो देश दुनिया में नंबर 1 स्मार्टफोन डेटा कंज्यूमर है वो देश है इंडिया, वो देश है इंडिया, वो देश है इंडिया। आज जो देश फिनटेक अडॉप्शन रेट में नंबर 1 है वो देश है इंडिया, वो देश है इंडिया, वो देश है इंडिया। आज जो देश मिल्क प्रोडक्शन के मामले में दुनिया में नंबर 1 है वो देश है इंडिया, वो देश है इंडिया, वो देश है इंडिया। आज जो देश इंटरनेट यूजर्स की संख्या में दुनिया में नंबर 2 पर है वो है इंडिया, वो है इंडिया। आज जो देश दुनिया का सेकंड लार्जेस्ट मोबाइल मैन्यूफैक्चरर है वो है वो देश है इंडिया, वो देश है इंडिया। आज जो देश, Rice, Wheat, Sugarcane Production के मामले में दुनिया में नंबर 2 पर है वो है इंडिया, वो है इंडिया। आज जो देश फ्रूट और vegetable production में दुनिया में नंबर 2 पर है वो है इंडिया, वो है इंडिया। आज जिस देश में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्‍टार्टअप इकोसिस्टम है वो है इंडिया, वो है इंडिया। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल मार्केट जिस देश में है वो देश है इंडिया, वो देश है इंडिया। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सिविल एविएशन मार्किट जिस देश में है वो देश है इंडिया, वो देश है इंडिया और अब जो देश अगले 25 साल में विकसित होने के लक्ष्‍य के साथ आगे बढ़ रहा है वो देश है इंडिया, वो देश है इंडिया।

साथियों,

आज IMF भारत को ग्लोबल इकोनॉमि का ब्राइट स्पॉट मानता है, वर्ल्‍ड बैंक का विश्वास है कि Global Headwinds को अगर कोई चुनौती दे रहा है तो वो भारत है। आज दुनिया के कई देशों में बैंकिंग सिस्‍टम पर संकट है लेकिन दूसरी तरफ भारत के बैंकों की मजबूती की आज चारों तरफ प्रशंसा हो रही है। दुनिया में 100 साल में आए सबसे बड़े संकट के बीच भारत ने बीते वर्ष रिकॉर्ड एक्सपोर्ट किया है। आज हमारा Forex Reserve नई बुलंदियां छू रहा है।

Friends,

भारत ग्लोबल गुड के लिए कैसे काम कर रहा है, इसका उदाहरण हमारा डिजिटल स्‍टेक है। आप सभी भारत के फिनटेक रेवेल्यूशन से भली भांति परिचित हैं। आपको याद होगा जब मैं 2014 में यहां आया था, तब मैंने आपसे एक सपना साझा किया था। मेरा वो सपना था कि भारत में गरीब से गरीब का अपना बैंक खाता हो। आपको गर्व होगा दोस्तों, आपको गर्व होगा कि पिछले 9 वर्ष में हमने करीब 50 करोड़ भारतीयों के यानि करीब 500 मिलियन बैंक अकाउंट्स खोले हैं। और सिर्फ बैंक अकाउंट खोलना ही हमारी सफलता, हम वहां अटकते नहीं हैं। इसने भारत में पब्‍लिक सर्विस डिलीवरी के पूरे इको सिस्टम को ट्रांस्‍फ्रॉम कर दिया है। हमने जन धन बैंक अकाउंट, मोबाइल फोन और आधार आईडी की एक JAM Trinity, JAM Trinity बनाई है। आप सोचिए इससे एक क्लिक पर, एक क्लिक पर करोड़ों करोड़ों देशवासियों तक Direct Benefit Transfer DBT संभव हुआ है और आपको और खुशी होगी, बीते 9 वर्षों में, ये आंकड़ा भी आपको बहुत आनंद देगा, बीते 9 वर्षों में 28 लाख करोड़ रुपये यानि 500 बिलियन ऑस्ट्रेलियन डॉलर से भी ज्यादा सीधे जरूरतमंदों के बैंक अकाउंट में भेजे गए हैं। कोरोना के समय में बहुत से देशों को अपने नागरिकों को पैसे भेजने में मुश्किल आई थी लेकिन भारत उन देशों में था जो एक क्लिक पर ये काम पलकों में कर रहा था। Universal Public Interface यानि UPI ने भारत में फाइनेंशियल इंक्लूजन को नयी ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। आज दुनिया के 40 प्रतिशत, 40% रियल टाइम डिजिटल पेमेंट्स अकेले भारत में होते हैं। आज अभी अभी भारत आए होंगे तो देखा होगा, आज फल, सब्जी या पानीपुरी के ठेले हों, या फिर चाय की दुकान, सब जगह डिजिटल ट्रांजेक्शन हो रहा है।

साथियों,

भारत का ये डिजिटल रेवेल्यूशन सिर्फ फिनटेक तक सीमित नहीं है। भारत आधुनिक व्‍यवस्‍थाएं बना रहा है। लोगों की Ease of Living बढ़ा रहा है। इसका एक उदाहरण भारत का डिजीलॉकर है, इसमें ड्राइविंग लाइसेंस से लेकर, डिग्री और प्रॉपर्टी के पेपर्स तक जो भी सरकार issue करती है, वो इस डिजिटल लॉकर में जनरेट होते हैं। करीब सैकड़ों तरह के documents डिजिटल लॉकर में reflect होते हैं। आपको physical copy store करने की जरूरत नहीं है। बस एक password काफी है। अब इससे 15 करोड़ से ज्यादा यानि 150 मिलियन से भी ज्यादा भारतीय जुड़ चुके हैं। इस तरह के कितने ही Digital Platforms आज भारतीय को Powerful बना रहे हैं, ताकतवर बना रहे हैं।

साथियों,

आज भारत के हर कदम, हर उपलब्धियों के बारे में दुनिया जानना चाहती है। आज की दुनिया जिस वर्ल्ड ऑर्डर की तरफ जा रही है। जिन संभावनाओं का तलाश रही है उसमें ये स्वाभाविक भी है। भारत हजारों वर्षों की जीवंत सभ्यता है। भारत Mother of Democracy है। हमने समय के अनुसार खुद को ढाला है लेकिन अपने मूल सिद्धांतों पर, Fundamentals पर हमेशा टिके रहे हैं। हम राष्‍ट्र को भी एक परिवार के रूप में दिखते हैं और विश्व को भी एक परिवार मानते हैं, वसुधैव कुटुम्बकम, और इसलिए जब भारत अपनी जी-20 Presidency की थीम तय करता है तो कहता है अपने आदर्शों को जीने का उसका स्वभाव देखिए, जी-20 Presidency में भारत कहता है, One Earth, One Family, One Future. जब भारत पर्यावरण की रक्षा के लिए सोलर एनर्जी के बड़े लक्ष्य तय करता है तो कहता है One Sun, One World, One Grid. जब भारत वैश्विक समुदाय के स्वस्थ रहने की कामना करता है तो कहता है One Earth, One Health. भारत वो देश है जिसने कोरोना के संकट में दुनिया के 150 से ज्यादा देशों को उस संकट की घड़ी में दवाइयां भेजीं। भारत वो देश है जिसने 100 से अधिक देशों को मुक्त वैक्सीन बेचकर करोड़ों करोड़ों लोगों का जीवन बचाया है। कोरोना के समय में आपने भी यहां जिस सेवा भावना से काम किया, वही हमारी संस्कृति की विशेषता है। आज शहीदों के सरताज पंचम सिख गुरु श्री गुरु अर्जुन देव जी का शहीदी पर्व है, हमें गुरुजी के जीवन से सभी की सेवा करने की शिक्षा मिलती है। गुरु अर्जुन देव जी ने ही दसवंध प्रणाली शुरू की थी। इसी प्रेरणा से कोरोना के दौरान भी कितने ही गुरुद्वारों के लंगर ने यहां लोगों की मदद की। इसी दौर में कितने ही मंदिरों की रसोई यहां पीड़ितों के लिए खुल गई। ऑस्ट्रेलिया में रह कर पढ़ाई कर रहे स्‍टूडेंट्स भी बड़ी संख्‍या में लोगों की मदद के लिए आगे आए। विभिन्‍न सामाजिक संगठनों ने भी इस दौरान बहुत लोगों की मदद की। भारतीय कहीं भी रहे, एक मानवीय भाव उनमें समाहित रहता है।

साथियों,

मानवता के हित में ऐसे ही कार्यों के कारण आज भारत को Force of Global Good कहा जा रहा है। जहां कहीं भी कोई आपदा होती है भारत मदद के लिए तैयार मिलता ह। जब भी कोई संकट आता है, भारत समाधान के लिए तत्पर रहता है। आज चाहे International Solar Alliance के द्वारा सौर ऊर्जा का उपयोग बढ़ाना हो, चाहे आपसी सहयोग के माध्यम से Disaster Resilient Infrastructure तैयार करना हो, चाहे International Big Cat Alliance को नेतृत्व देना हो, भारत ने हमेशा अलग अलग देशों को एकजुट करने के लिए एक Binding Force की तरह काम किया है। अभी अभी जब तुर्किये में भूकंप ने तबाही मचाई तब भारत ने ऑपरेशन दोस्त के द्वारा मदद का हाथ बढ़ाया। भारत अपने हितों को सबके हितों से जोड़ करके देखता है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास, ये हमारी Domestic Governance का भी आधार है और Global Governance के लिए भी यही Vision है।

साथियों,

आज भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच Strategic Partnership निरंतर गहरी हो रही है। हाल में ही हमने Economic Cooperation और Trade Agreement ECTA sign किया है। अनुमान है इससे दोनों के बीच ट्रेड अगले पांच वर्ष में दो गुने से अधिक हो जाएगा। अब हम Comprehensive Economic Cooperation Agreement पर काम कर रहे हैं। हम Resilient और Reliable Supply Chains का निर्माण कर रहे हैं। इससे दोनों देशों के बिजनेस को बल मिलेगा ही, दुनिया को भी नया विश्वास मिलेगा। आज भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच कई डायरेक्‍ट फ्लाइट्स हैं। बीते वर्षों में फ्लाइट्स की संख्या बढ़ी है। आने वाले दिनों में इनकी संख्या और बढ़ेगी। एक दूसरे की डिग्रियों को मान्यता देने को लेकर भी दोनों देश आगे बढ़े हैं और इससे हमारे स्‍टूडेंट्स को बहुत लाभ होगा। Migration and Mobility Partnership Agreement पर भी सहमति बनी है। इससे हमारे Skilled Professionals के लिए ऑस्ट्रेलिया आना और यहां काम करना आसान होगा, और साथियों, जब मैं आपके बीच आया हूँ तो एक घोषणा भी करने जा रहा हूँ। ब्रिसबेन में भारतीय समुदाय की जो मांग थी, अब उसे पूरा किया जाएगा। जल्द ही ब्रिसबेन में भारत का एक नया Consulate खोला जाएगा।

Friends,

भारत और ऑस्ट्रेलिया की गहरी होती पार्टनरशिप मां भारती में आस्था रखने वाले प्रत्‍येक व्‍यक्ति को सशक्त करेगी। आपके पास टैलेंट है, अपने स्‍किल की ताकत है और साथ ही अपने Cultural Values भी हैं। ये Values आपको ऑस्ट्रेलिया के लोगों के साथ घुल मिलकर रहने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। मैं कल ही पापुआ न्‍यू गिनी से आया हूँ। वहां मैंने स्थानीय भाषा में तमिल साहित्य तिरुक्कुरल के अनुवाद का लोकार्पण किया। ये अनुवाद वहां भारतीय मूल के एक स्थानीय गवर्नर ने किया है। एक जीता जागता उदाहरण है कि कैसे हम विदेश में रहते हुए भी अपनी जड़ों पर गर्व करते रहें, जड़ों से जुड़े रहें। आप भी यहां ऑस्ट्रेलिया में भारतीय संस्कृति की खुशबू फैला रहे हैं। आप ऑस्ट्रेलिया में भारत के Cultural Ambassador हैं, भारत के Brand Ambassadors हैं।

साथियों,

मैं मेरी बात समाप्त करने से पहले आपसे कुछ मांगना चाहता हूँ, देंगे? आवाज ज़रा धीमी हो गई, देंगे? पक्का? प्रॉमिस? मैं आपसे ये मांग रहा हूँ और आपसे आग्रह करूंगा कि आप जब भी भारत आएं, जब भी भारत आएं अपने साथ कोई न कोई ऑस्ट्रेलियाई मित्र और उनके परिवार को भी साथ लेकर के आएं। इससे उन्हें भारत को समझने का, जानने का और ज्यादा बेहतर मौका मिलेगा। आप इतनी बड़ी तादाद में आए, लंबे अरसे के बाद आपको मिलने का मौका मिला, आप सब बहुत स्वस्थ रहिए, खुश रहिए, आनंद से रहिए, एक बार फिर से आप सभी का बहुत बहुत धन्यवाद !

मेरे साथ बोलिए भारत माता की जय !

भारत माता की जय !

भारत माता की जय !

बहुत बहुत धन्यवाद !

**Full text of the speech of Hon'ble Anthony Albanese, Prime Minister of Australia, Qudos Bank Arena, Sydney, 23 May 2023**

Thank you friends.

I begin by acknowledging the Traditional Owners of the land on which we meet and I pay my respects to Elders past, present and emerging.

And I am proud to lead a government that will give all of you, all Australians, the chance to vote in a referendum to recognise our First Peoples in our nation's Constitution later this year.

And I urge my Indian-Australian friends, vote yes.

It is a huge pleasure to welcome Prime Minister Modi to Australia.

In just my first year as Prime Minister, which I'm celebrating today, I have met the Prime Minister, my friend, six times.

But absolutely nothing beats standing with him on a stage like this, looking out at this magnificent sea of faces. What an honour!

And what a joy it is to get to welcome Prime Minister Modi here, with all of you.

I get to speak to some pretty big crowds as Prime Minister. But I have to say that the warmth and the energy here tonight is second to none.

I said to my friend, the Prime Minister before, the last time I saw someone on the stage here was Bruce Springsteen, and he didn't get the welcome that Prime Minister Modi has got. Prime Minister Modi is the boss!

Friends, I saw that myself in India in March, where he hosted me with such generosity and warmth.

It was a trip full of unforgettable moments: celebrating Holi in Gujarat, laying a wreath for the great Mahatma Gandhi in New Delhi, and doing a lap, something I will never quite forget, of the incredible stadium at Ahmedabad on Day 1 of the fourth test.

Everywhere I went, I felt that deep sense of connection between the people of Australia and the people of India.

It is a warmth I also felt when I backpacked around India for 5 weeks in 1991. And I say this, to my friends from the Australian Parliament who are here today, if you want to understand India, travel by train and video bus. You can even hitchhike, they're very friendly.

It is a connection that I feel here tonight. And once again, I feel so grateful to be a part of it.

Your million-strong community has contributed so much to this country.

The people here tonight - your families, your communities - will always be the lifeblood of the relationship that India and Australia share.

And tonight, I announce that the new Centre for Australia-India Relations will be based in Parramatta.

A place that itself is a testament to the vitality of the Indian-Australian experience.

One that after last night has a proud Indian-Australian – Sameer Pandey – as its Lord Mayor, congratulations.

Now we want to see more connections – more Australian and Indian students living and studying in each other's countries, and bringing those experiences home.

More business leaders and artists and families sharing your experiences, and your knowledge, and your ideas.

Prime Minister Modi and I have just unveiled a plaque for the foundation stone of the "Little India" gateway in Harris Park. And won't that be good to visit.

But tonight, as Prime Minister, I want to say thank you.

You have brought the spirit of the world's biggest democracy to Australia. And you have helped make our democracy stronger and more inclusive.

You've strengthened Australian society, bringing our country the benefits and riches of such a beautiful and diverse culture.

And I'm so proud that you have made Australia your home - that you see your life and your future here.

You make our nation and our shared communities better. You make Australia stronger.

Friends, I want you to give a big Australian welcome to my dear friend, Prime Minister Narendra Modi.